एक नजर में

गोचर भूमि पर अतिक्रमण हटाने और गौवंश हत्या बंद करने की मांग, राज्यपाल के नाम सौंपा ज्ञापन

पानसेमल। विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल पदाधिकारियों द्वारा एसडीएम रमेश सिसोदिया को राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में उल्लेख किया कि गौवंश हमारी सात्विक ऊर्जा आर्थिक समृद्धि एवं आरोग्य का सर्वश्रेष्ठ स्त्रोत है। इसी दिव्य वैज्ञानिक आधार को देखते हुए विश्व हिन्दू परिषद गौरक्षा विभाग देश में बढ़ती गौवंश तस्करी व हत्याओं की घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए बकरीद के मौके पर यह मांग करता है कि राज्य सरकारें व स्थानीय पुलिस-प्रशासन इन घटनाओं के विरूद्ध न सिर्फ कठौर कार्रवाई करें, बल्कि भविष्य में इनकी पुनरावृत्ति रोकने के लिए पूरी संवेदनशीलता के साथ समुचित कदम उठाएं।

कुछ राज्यों में गौवंश हत्या रोधी कानून लचर है, लेकिन आपके राज्य में कठौर कानून के बावजूद पुलिस-प्रशासन के लचर रवैए, लापरवाही या मिलीभगत से गौवंश हत्यारे व गौवंश के तस्कर सक्रिय है। इसलिए ऐसे संवेदनशील क्षेत्रों में गौरक्षकों को मजबूरी में अपने प्राण संकट में डालकर पर सड़क पर उतरना पड़ता है जो बेहद चिंता जनक है। अनेक बार मुस्लिम उलेमाओं के गौकसी विरोधी बयानों के बावजूद भी बकरीद से पूर्व इस तरह की घटनाओं में विगत कुछ वर्षों में काफी वृद्धि ही देखने में आई है। इसलिए मुस्लिम समुदाय के विद्वानों, नेताओं व वरिष्ठ लोगों को भी अपने समाज के प्रबोधन के लिए गंभीरता से कदम उठाने के लिए प्रयास करना चाहिए। हिन्दू समाज गौवंश रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और किसी भी कीमत पर हम गौवंश हत्या या गौवंश तस्करी नहीं होने देंगे। इस वर्ष सम्भावित तिथि 27 मई 2026 को बकरीद होगी। विश्व हिन्दू परिषद गौरक्षा विभाग ने मांग की है कि राज्य सरकारें, पुलिस-प्रशासन गौवंश हत्यारों व गौवंश तस्करों के विरूद्ध कठोरता से स्वत: कार्रवाई करें जिससे गौरक्षकों को सड़कों पर आने के लिए मजबूर न होना पड़े। संगठन ने यह भी मांग की है कि कुछ राज्यों में बकरीद के अवसर पर वाहनों में गौवंश को लाने-लेजाने की अधिकतम संख्या में जो ढील दी जाती है वह न दी जाए। जिस तरह राजस्थान व महराष्ट्र सरकार ने गौ माता को राज्यमाता का दर्जा दिया है, उसकी तरह मध्यप्रदेश शासन से भी यह मांग है कि गौ माता को राज्यमाता का दर्जा प्रदान करें व जिन गौचर भूमियों पर अतिक्रमण है उन्हें शीघ्र मुक्त किया जारए। इस दौरान विभाग प्रशिक्षण प्रमुख वीरेन्द्र शुक्ला, अर्चक प्रमुख भटू कुलकर्णी, मठ मंदिर प्रमुख दत्तात्रेय देवरे, जिला सेवा प्रमुख रविंद्र मराठे, जिला मंत्री गिरीश पाटिल, जिला सह मंत्री प्रीत जाधव, प्रखंड अध्यक्ष हरि जाधव, प्रखंड मंत्री शिवम भदाने, नगर अध्यक्ष विजय सावले, संयोजक आकाश सोनवने, बाल बजरंगी प्रमुख साईं चौधरी, अंकुर शर्मा, सागर भाबर मौजूद रहे। एसडीएम रमेश सिसोदिया ने पदाधिकारियों से कहा कि क्षेत्र में कहीं गोचर भूमि पर अतिक्रमण की जानकारी दे, उसे मुक्त कराया जाएगा।

जनगणना प्रचार रथ को जिला पंचायत सीईओ ने दिखाई हरी झंडी

आलीराजपुर । जिले में जनगणना 2027 के प्रारंभिक चरण के अंतर्गत 30 मई 2026 तक मकानों की गणना एवं मकानों के सूचीकरण का कार्य किया जा रहा है। आमजन को जनगणना के प्रति जागरूक करने और आवश्यक जानकारी पहुंचाने के उद्देश्य से शुक्रवार को जिला पंचायत सीईओ श्रीमती संघमित्रा गौतम ने कलेक्ट्रेट परिसर से जनगणना प्रचार रथ (एलईडी वैन) को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह प्रचार रथ 22 मई से 26 मई तक जिले के अलग-अलग स्थलों पर जाएगा। मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती संघमित्रा गौतम ने बताया कि यह प्रचार रथ जिले के ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में पहुंचकर जनगणना से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी आमजन तक पहुंचाएगा तथा लोगों को जनगणना कार्य में सहयोग के लिए प्रेरित करेगा। उन्होंने बताया कि जिले के सभी प्रगणक और संबंधित अधिकारी पूरी सक्रियता के साथ कार्य में जुटे हुए हैं। जिला पंचायत सीईओ जनगणना प्रचार रथ को हरी झंडी दिखाते हुए

अनुसूचित जाति वर्ग के लिए स्वरोजगार योजनाओं के आवेदन शुरू

आलीराजपुर । कार्यपालन अधिकारी जिला अंत्यावसायी सह विकास समिति द्वारा बताया गया कि प्रबंध संचालक, म.प्र. अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम भोपाल के निर्देशानुसार वित्तीय वर्ष 2026-27 हेतु अनुसूचित जाति वर्ग के लिए संचालित योजनाओं के लक्ष्य जिला अंत्यावसायी विभाग आलीराजपुर को प्राप्त हो गए हैं। जिले में संत रविदास स्वरोजगार योजना अंतर्गत 1 लाख से 50 लाख रुपये तक तथा डॉ. भीमराव अम्बेडकर आर्थिक कल्याण योजना अंतर्गत 10 हजार से 1 लाख रुपये तक ऋण सहायता प्रदान की जाएगी। योजनाओं का लाभ केवल नवीन उद्योग, सेवा क्षेत्र एवं व्यवसाय शुरू करने हेतु दिया जाएगा। इच्छुक आवेदक जिले के किसी भी ऑनलाइन सेंटर पर जाकर वेबसाइट *samast.mponline.gov.in* के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। आवेदन के बाद आवेदक को आवेदन की प्रति सहित कार्यालय जिला अंत्यावसायी, कलेक्ट्रेट आलीराजपुर में संपर्क करे।

झाबुआ में फायर स्टेशन निर्माण कार्य का भूमिपूजन सम्पन्न, नागरिक सुरक्षा को मिलेगा सुदृढ़ आधार

झाबुआ. नगरीय विकास एवं आवास विभाग के उपक्रम मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कंपनी द्वारा झाबुआ नगर में फायर स्टेशन का निर्माण कार्य किया जा रहा है। इस निर्माण कार्य का भूमिपूजन नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती कविता सिंगार द्वारा किया गया।इस अवसर पर मुख्य नगर पालिका अधिकारी एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। सभी ने परियोजना के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस फायर स्टेशन के निर्माण से क्षेत्र में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था अधिक सुदृढ़ होगी तथा आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित सहायता उपलब्ध हो सकेगी।

जल गंगा संवर्धन अभियान में सामने आई अनियमितता, पोर्टल पर फर्जीवाड़ा

सेंधवा, (रमन बोरखड़े)। बड़वानी जिले में जल संरक्षण और भूजल स्तर सुधारने के उद्देश्य से चलाए जा रहे जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत विभिन्न ग्रामों में बनाए जा रहे रिचार्ज कूप पीट निर्माण कार्यों को लेकर अब सवाल उठने लगे हैं। कई स्थानों पर ग्रामीणों ने निर्माण कार्यों में अनियमितता, गुणवत्ता की कमी और तय मापदंडों का पालन नहीं किए जाने के आरोप लगाए हैं। पड़ताल में कई पंचायतों में अनियमितता सामने आई है। नाम नहीं बताने की शर्त पर पंचायत से जुड़े लोगों ने बताया कि अभियान को सफल बनाने के लिए जनपद सीईओ अंजली बड़ोले और मनरेगा एई शैलेंद्र सोलंकी फर्जीवाड़ा करते हुए पोर्टल पर अपूर्ण और निर्धारित मानको के विरूद्ध बनाए गए रिचार्ज कूप पीट को पूर्ण बताते हुए फिजीकली कंपलिट बता रहे है।

सेंधवा जनपद के ग्राम कलालदा में हितग्राही रामलाल भीमसिंह के कूप के पास रिचार्ज पिट निर्माण पूर्ण बताया है, जबकि मौके पर ना गड्ढा खोदा गया और ना ही कोई पीट निर्माण किया गया। बता दे इस कार्य पर जनपद के अधिकारियों ने मजदूरी मद में 15 हजार 910 रुपये तथा सामग्री मद में 9 हजार 990 रुपये स्वीकृत किए गए थे। अब तक मजदूरी मद में 10 हजार 171 रुपये और सामग्री मद में 9 हजार 755 रुपये की राशि बुक की जा चुकी है। कुल मिलाकर कार्य पर लगभग 76.9 प्रतिशत राशि व्यय करना बताया गया है, लेकिन मौके पर कोई काम नहीं हुआ है। हितग्राही ने बताया कि अभी तक रिचार्ज पीट के लिए कोई काम नहीं हुआ।

जिम्मेदारों ने सेंधवा जनपद की ग्राम पंचायत चिखली शिवन्या में रामू पिता ओंकार के कपिलधारा कूप के पास सीमेंट की ईंट जमा कर रिचार्ज पिट निर्माण कार्य भौतिक रूप से पोर्टल पर पूर्ण बता दिया है। जबकि मौके पर नियमों के तहत कोई कार्य नहीं हुआ है।

उक्त निर्माण वर्ष 2025.26 में स्वीकृत यह कार्य श्डग वेल रिचार्जश् श्रेणी के अंतर्गत शामिल किया है। रामू ने बताया कि अधिकारियों ने ईंट रख दी हैए लेकिन पक्का निर्माण नहीं कराया और ना ही कोई राशि दी गई।

बता दे कि रामू ओंकार के कूप के पास रिचार्ज पीट निर्माण के लिए मजदूरी मद में 15 हजार 910 रुपये तथा सामग्री मद में 9 हजार 990 रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई थी। अब तक मजदूरी मद में 14 हजार 979 रुपये और सामग्री मद में 9 हजार 408 रुपये की राशि बुक की जा चुकी है। कुल मिलाकर कार्य पर लगभग 94ण्2 प्रतिशत राशि व्यय दर्ज की गई हैए लेकिन हितग्राही के आरोप है कि उसे एक रूपया नहीं मिला व गुणवत्ताहीन कार्य किया गया। सेंधवा जपं के ग्राम चिखली शिवन्या में हितग्राही पातलिया भुल्या के कुएं के पास रिचार्ज पिट बनाना बताया गया है। लेकिन मौके पर कोई पीट नजर नहीं आया। किसान और उसके पुत्र चेतन ने बताया कि हमारे द्वारा गडढ़ा किया गया था, लेकिन कोई राशि नहीं मिलने से पक्की दीवार आदि नहीं बनाई। जबकि इस कार्य पर अधिकारियों ने मजदूरी मद में 15 हजार 910 रुपये तथा सामग्री मद में 9 हजार 990 रुपये स्वीकृत किए गए थे। अब तक मजदूरी मद में 14 हजार 505 रुपये और सामग्री मद में 9 हजार 408 रुपये की राशि बुक की जा चुकी है। कुल मिलाकर कार्य पर लगभग 92.3 प्रतिशत राशि व्यय दर्ज की गई है। लेकिन रिचार्ज पिट आज तक नहीं बन पाया है।

> ग्रामीणों के अनुसार कई जगहों पर रिचार्ज कूप पीट की खुदाई निर्धारित गहराई तक नहीं की गई है। कुछ स्थानों पर निर्माण अधूरा छोड़ दिया गयाए जबकि कई जगहों पर बिना पर्याप्त सामग्री उपयोग किए कार्य पूर्ण दर्शा दिया गया। ग्रामीणों ने यह भी कहा कि जिन संरचनाओं का उद्देश्य वर्षा जल को जमीन में पहुंचाकर भूजल स्तर बढ़ाना हैए वे ही तकनीकी मानकों के अभाव में प्रभावहीन साबित हो सकती हैं।मामले में जनपद सीईओ अंजली बड़ोले और मनरेगा एई शैलेंद्र सोलंकी से उनका पक्ष जानने के लिए उनके नंबर पर संपर्क किया गयाए लेकिन उन्होंने कॉल रिसीव नहीं किया। उन्हें मैसेज भी किया गयाए लेकिन उनका जवाब नहीं आया।

आश्रम से बदली हजारों जीवनों की दिशा

बड़वानी, (नवभारत)। आदिवासी अंचल में शिक्षा और सेवा का दीप जलाने वाली पद्मश्री कांता बहन त्यागी का जीवन त्याग, तपस्या और मानव सेवा की प्रेरक मिसाल रहा है। उनका जन्म 24 मई 1924 को उत्तर प्रदेश के हापुड़ जिले (वर्तमान गाजियाबाद) के सबली में जमींदार परिवार में हुआ। पिता जगनलाल त्यागी व माता भगवती देवी त्यागी थी।

1947 में स्व ठक्कर बप्पा और कृष्णदास जाजू की प्रेरणा से उन्होंने समाजसेवा के क्षेत्र में कदम रखा। इसी वर्ष कुरुक्षेत्र में शरणार्थियों की सेवा में उन्होंने सक्रिय योगदान दिया। 1948 में बाल निकेतन, दिल्ली से बालसेविका का प्रशिक्षण लिया और 1949 में वर्धा आश्रम में गांधीवादी शिक्षा, प्राथमिक चिकित्सा तथा खादी-ग्रामोद्योग का प्रशिक्षण प्राप्त किया। वर्ष 1951 में उनका कस्तूरबा गांधी राष्ट्रीय स्मारक से जुड़ाव हुआ। 1952 में इंदौर से मांडव पदयात्रा के दौरान वनवासियों की स्थिति से प्रभावित होकर उन्होंने आदिवासी सेवा को जीवन का लक्ष्य बनाया। इसी संकल्प के तहत 27 मार्च 1953 को दूरस्थ आदिवासी ग्राम निवाली (तत्कालीन तहसील पानसेमल, जिला खरगोन, वर्तमान जिला बड़वानी) में कस्तूरबा वनवासी कन्या आश्रम की स्थापना की। इसके बाद निवाली ही उनकी कर्मभूमि बन गई।

तत्कालीन राष्ट्रपति ज्ञानी जैलसिंह से "इंदिरा गांधी सेवाजसेवा पुरस्कार" ग्रहण करते हुए

कई प्रतिष्ठित पुरस्कार से सम्मानित हुई कांता बहन

कांता बहन त्यागी की सेवाओं से प्रभावित होकर उन्हें कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया, जिनमें इंदिरा गांधी राज्यस्तरीय पुरस्कार, बिरसा मुंडा पुरस्कार, जानकी देवी बजाज पुरस्कार व प्रदेशश्री अलंकरण प्रमुख हैं। भारत सरकार ने 1997-98 में देश के प्रतिष्ठित सम्मान पद्मश्री से अलंकृत किया। आदिवासी समाज के लिए समर्पित जीवन जीते हुए अंतिम सांस तक सेवा कार्य जारी रखा। उनका जीवन समाजसेवा के इतिहास में एक प्रेरणास्रोत के रूप में सदैव स्मरणीय रहेगा। 23 मई 2005 को उनका निधन हुआ, उनके द्वारा स्थापित आश्रम आज भी ट्रस्ट के माध्यम से संचालित हो रहे हैं। इन संस्थानों में शिक्षित कई दिव्यांग व आदिवासी युवा समाज के उच्च पदों पर पहचान बना चुके हैं।

छात्रों को दी जानकारी

निवाला, (नवभारत)। शासकीय महाविद्यालय में नवीन शैक्षणिक सत्र अंतर्गत प्रवेश प्रक्रिया को सुगम एवं विद्यार्थियों के हित में बनाने डॉ किरण तावड़े के मार्गदर्शन में प्रवेश मार्गदर्शन समिति बनाई। समिति द्वारा विद्यार्थियों को विषय चयन, प्रवेश प्रक्रिया, रोजगारोन्मुख पाठ्यक्रमों तथा शासन की कई छात्रहितैषी योजनाओं की जानकारी दी गई। डॉ पीसी किराड़े ने स्नातक स्तर पर उपलब्ध संकायों एवं विषयों की जानकारी देते हुए बताया कि विद्यार्थी अपनी रुचि, क्षमता एवं भविष्य की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए विषयों का चयन करें। ऑनलाईन प्रवेश प्रक्रिया, दस्तावेज सत्यापन, शुल्क भुगतान एवं समय-सारणी से संबंधित जानकारियां भी दी। डॉ चांदनी गोल ने बताया कि महाविद्यालय में अध्ययन के साथ-साथ कई गतिविधियों में भाग लेकर व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास कर सकते हैं।

कार्यक्रम के दौरान यह रहे उपस्थित

समिति के सदस्यों ने विद्यार्थियों को नियमित अध्ययन, अनुशासन एवं समय प्रबंधन के महत्व से भी अवगत कराया। डॉ शारदा खरते ने भी जानकारी दी। अंत में समिति सदस्यों ने विद्यार्थियों को समय पर प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण करने एवं आवश्यक दस्तावेज तैयार रखने की सलाह दी। इस अवसर पर प्रो नीलम डावर, डॉ राकेश जाधव, गोरेलाल सोलंकी उपस्थित रहे।

पति का धर्म पत्नी की सेवा करना ...

जीवन को सुधारती है कथा :पं. शर्मा

आलीराजपुर। श्रीमद्भागवत कथा में भगवान की भक्ति, मर्यादा और पारिवारिक जीवन के महत्व पर श्रद्धालुओं को भावपूर्ण संदेश दिया गया। कथा के दौरान पंडित अर्चित शर्मा (अटल जी) ने कहा कि सामान्य जीवन को सुधारने के लिए रामायण का चरित्र हर व्यक्ति को अपने जीवन में अपनाना चाहिए। भगवान श्रीराम अपने माता-पिता की आज्ञा का पालन करने के कारण पूजनीय बने और पत्नी का धर्म पति की सेवा करना बताया गया।

उन्होंने कहा कि भगवान की भक्ति करने वाला व्यक्ति हर समय भगवान के भय में रहता है तथा कभी अपने को बड़ा नहीं मानता।

सुमधुर भजनों पर झूम उठे श्रद्धालु

मीडिया प्रभारी कृष्णकांत बेड़िया ने बताया कि कथा 18 मई से 24 मई तक प्रतिदिन दोपहर 3 बजे से सायं 7 बजे तक आयोजित की जा रही है। उन्होंने बताया कि भजन मेरी झोपड़ी के भाग आज खुल जाएंगे, राम आएंगे ... पर श्रद्धालु भावविभोर होकर झूम उठे। कथा का संचालन आशीषराव चौहान ने किया। कथा के समापन अवसर पर श्रद्धालुओं ने पंडाल में पुष्पवर्षा कर भगवान का स्वागत किया। पूरे पंडाल को फूलों से सजाया गया था। महिलाओं एवं पुरुषों ने एक-दूसरे पर पुष्प बरसाकर भक्ति का आनंद लिया। भजनों की मधुर प्रस्तुति पर श्रद्धालु देर तक झूमते रहे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में धर्म प्रेमीजन उपस्थित रहे। कथा आयोजन समिति ने समस्त श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त करते हुए आगामी दिनों में भी अधिक से अधिक संख्या में कथा श्रवण करने का आग्रह किया।

यह आयोजन ग्राम गोकुलधाम स्मार्ट सिटी, दिल्ली मार्ग क्रमांक-3 स्थित व्यासपीठ पर आयोजित श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान गंगा यज्ञ के चौथे दिन व्यासपीठ से पंडित अर्चित शर्मा (अटल जी) ने कथा प्रवचन के दौरान व्यक्त किए। पंडित अर्चित शर्मा ने एकादशी व्रत के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि एकादशी के दिन भगवान के समक्ष बैठकर भजन-कीर्तन करना चाहिए। एकादशी करने वाले को दशमी तिथि से ही शुद्धता का पालन करना चाहिए तथा निर्जला एकादशी में जल तक ग्रहण नहीं करना चाहिए। उन्होंने बताया कि एकादशी के अगले दिन द्वादशी को दान-पुण्य करना अत्यंत शुभ माना गया है। कथा के दौरान राजा हरिश्चंद्र की कथा का भी भावपूर्ण वर्णन किया गया।

नौतपा-हीटवेव को लेकर स्वास्थ्य विभाग ने जारी की एडवाइजरी

आलीराजपुर । मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश अतुलकर ने नौतपा एवं अत्यधिक गर्मी को देखते हुए आमजन के लिए स्वास्थ्य सलाह जारी की है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में पड़ रही भीषण गर्मी और शुष्क वातावरण के कारण लू (तापघात) का खतरा बढ़ गया है, जो कई बार जानलेवा भी साबित हो सकता है। ऐसे में लोगों को सतर्क रहने और बचाव संबंधी उपाय अपनाने की आवश्यकता है।

स्वास्थ्य विभाग ने आमजन से अपील की है कि तेज धूप में अनावश्यक रूप से बाहर निकलने से बचें, धूप में निकलते समय सफेद या हल्के रंग के ढीले सूती कपड़े पहनें तथा सिर, कान और गर्दन को गमछे या तौलिये से ढक कर रखें। धूप से बचाव के लिए छतरी और रंगीन चश्मे का उपयोग करें। घर से बाहर निकलने से पहले पर्याप्त भोजन और पानी अवश्य लें तथा अपने साथ पानी की बोतल रखें। उन्होंने कहा कि बच्चों और बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखना जरूरी है। बच्चों को तेज गर्मी महसूस होने पर तुरंत घर के अंदर आने की सलाह दें, वहीं बुजुर्गों को दोपहर के समय बाहर न निकलने दें और समय-समय पर पानी व तरल पदार्थ देते रहें।

आयुक्त ने पानी बेचते टैंकर ड्राइवर को पकड़ा

▶ टैक्टर टैंकर जप्त कर 25 हजार रुपए का जुर्माना ठोका

नव भारत न्यूज

इंदौर. निगम आयुक्त ने गुरुवार को रेसकोर्स रोड पर पानी बेचते टैंकर ड्राइवर को पकड़ा. आयुक्त ने मौके पर ही ड्राइवर को जमकर लताड़ लगाई और 25 हजार का जुर्माना लगाया.

आयुक्त क्षितिज सिंघल कल शाम 5.30 बजे रानी सती गेट के पास से गुजर रहे थे. उस समय उन्हें टैक्टर टैंकर नंबर एमपी09 एबी 0932 दिखाई दिया. उक्त टैंकर पर पानी बेचने पर शिकायत करने का निगम द्वारा दिया गया स्टीकर भी नहीं लगा हुआ था. आयुक्त ने ट्रैक्टर टैंकर ड्राइवर जो कि जोन क्रमांक 9 में पार्श्वनाथ जैन कालोनी रानी सती गेट के पास पानी डाल रहा था, वहां नागरिकों से जानकारी लेने पर नागरिकों ने बताया कि टैंकर ड्राइवर द्वारा पानी देने के बदले में पैसे लिए जा रहे है. टैंकर पर स्टीकर नहीं होने से ड्राइवर द्वारा निजी टैंकर बताकर पानी बेचा जा रहा है. आयुक्त ने ट्रैक्टर टैंकर नंबर एमपी09 एबी 0932 जब्त कर वर्कशॉप में खड़ा करा दिया.

ब्लॉक कांग्रेस पारा की समीक्षा बैठक आयोजित

पारा। पारा ब्लॉक की समीक्षा बैठक श्री महाकाली माता मंदिर धाम बख्तपुरा पारा में संपन्न हुई द्य जिसमे पेटलावद विधनसभा के प्रभारी शैलेंद्र सिंह अठाना एवं जिला अध्यक्ष आदरणीय प्रकाश रांका और पूर्व विधायक वालसिंह मेड़ा, की गरिमय उपस्तिथि में प्रारंभ हुईद्य

बैठक का संचालन ब्लॉक अध्यक्ष सतीश अजनार द्वारा किया गया, जिसमें उन्होंने केंद्र सरकार और राज्य सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा की हाल ही में हुएनीट पेपर लीक मामले में भाजपा ही दोषी हे और देश के शिक्षा मंत्री को इस्तीफा देना चाहिए और नल जल योजना में करोड़ों रुपए का हुआ खुला भ्रष्टचार के आरोप लगाए। पेटलावद विधनसभा के प्रभारी ने सभी कांग्रेस पार्टी के नेताओ को एक जुट होकर कार्य करने का मंत्र दिया। जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रकाश रांका ने कार्यकर्ताओं को लेकर कहा की अब हमको सिर्फ बैठक तक समित नही रहना हे हमे अब अपने अपने गांव क्षेत्र की समस्या को लेकर हर प्रकार से हर संभव प्रयास करते रहना हे में आप सभी के साथ हा दम खड़ा रहूंगा। इस अवसर पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं छपरी के सरपंच केमता रत्नसिंह डामोर ,पूर्व जिला पंचायत सदस्य रूपसिंह डामोर युथ कांग्रेस जिल उपाध्यक्ष महेश डामोर ,युवक कॉन्ग्रेस रामा ब्लॉक अध्यक्ष रमेश मोहनिया,उपाध्यक्ष अजीत मोहनिया,जनपद सदस्य कुवरसिंह, जनपद दिलीप बामनिया, जनपद हारु निनामा, किसान नेता जोगड़िया निनामा, झुमका तड़वी दिलीप खराड़ी, लक्ष्या निनामा, दिनेश मेड़ा, सुरेश पचाया,महेश अजनार, भूपेंद्र सोलंकी समेत कार्यकर्ता मौजूद रहे। आभार मंडल प्रभारी दिनेश वेलसिंह मेड़ा ने किया।

जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत माली की बावड़ी में सामूहिक श्रमदान एवं साफ-सफाई की गई

आलीराजपुर। कलेक्टर नीतू माथुर एवं जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी संघमित्रा गौतम के निर्देशानुसार मध्यप्रदेश शासन द्वारा संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान 2026 के अंतर्गत पशुपतिनाथ मंदिर के पीछे स्थित ऐतिहासिक माली की बावड़ी पर सामूहिक श्रमदान एवं साफ-सफाई अभियान आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जन अभियान परिषद, ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति एवं नवांकुर संस्था के संयुक्त तत्वावधान में बड़ी संख्या में ग्रामीणजन, छात्र-छात्राएँ, सामाजिक कार्यकर्ता एवं समिति सदस्यों ने भाग लिया। अभियान के दौरान बावड़ी परिसर की साफ-सफाई, गाद

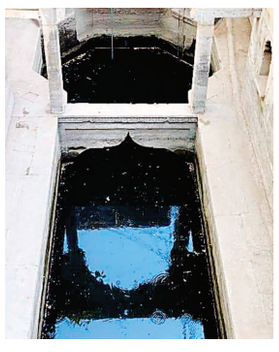

निकासी एवं जल स्रोत संरक्षण संबंधी कार्य किए गए। समस्त जनों ने उत्साहपूर्वक श्रमदान कर जल संरक्षण के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। नगर क्षेत्र की विभिन्न समितियों एवं नगर निकाय कर्मचारियों के सहयोग से अभियान सुव्यवस्थित रूप से सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में जल संरक्षण को वर्तमान समय की महत्वपूर्ण आवश्यकता बताते हुए जल स्रोतों के संरक्षण एवं पुनर्जीवन पर जोर दिया गया। साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में जल संवर्धन गतिविधियों को निरंतर संचालित करने एवं जनभागीदारी बढ़ाने का आह्वान किया गया।अंत में उपस्थित नागरिकों ने जल संरक्षण, जल स्रोतों की स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति सामूहिक शपथ लेते हुए अपने आसपास के जल स्रोतों को सुरक्षित एवं स्वच्छ बनाए रखने का संकल्प लिया। इस दौरान संभाग समन्वयक, जन अभियान परिषद श्री अमित शाह,जिला समन्वयक श्री दीपक जगताप सहित अन्य संबंधित अधिकारी-कर्मचारी, आमजन मौजूद रहे।